

Παροραμάτων διόρθωσίς.

σελ.	στιχ.	τετυπωμέν.	διόρθου.
293.	26.	ῶμεράψετε	ῶμεράψετε
299.	8.	οὔδρεσην	οὔδρεσην
302.	24.	ῶ πρεβελίκαγώ	ῶ πρεβελίκαγώ
315.	21.	"Ιδωλι.	"Ιδωλύ
319.	31.	βόδη	воды
322.	4.	βόνινскѹю	ボニンскою
327.	10.	гризéтъ	грызéтъ
330.	10.	не сн̄ѣлса	не снѣлса
331.	29.	на вѣсъ	на вѣсъ
332.	11.	трофей	трофей
341.	27.	Пернатий	Пернатый
343.	3.	грѣдъ	грѣдъ
344.	13.	колїбы	колоїбы

,,Ἐν δέ σελίδῃ 170. στιχ. 14. μετὰ τὴν λέξιν. Ποπεχέντι. πρόσθες, οὐκτότικε ἵζνεσέμτ, οὐκτότικε ὁστάβιμτ, οὐκτότικε οὐκτότικε ἵζνώστα βινθίνιμτ μηώγα οὐκτότικε τάιντ, οὐκτότικε πο νόψι τέη ἔστι κόελικ ωχιψέντε, οὐκτότικε ωλοζέντικ οὐκτότικε πο όχβάλνο, οὐκτότικε σλόβι πριψάψιψιμτ. "Икоже бо гнѣвъ, не преде́нствовати, но предразрѣшати солнца, добро и бѣгъ любезно: временнѣ же и возвѣднѣ. (заходити бо, гнѣвающи имъ нѣмъ не неблѣзнино, прѣвѣдти солнцъ,) Тѣкъ таковои снѣди не преоющевати, οὐκτότικε на дрѹгій дѣнь ωлагати.

,,καὶ ἐν σελ. 174.(τουτέστιν 176. διὰ τὸ λάθος τῶν σελ.) στιχ. 15. μετὰ τὴν λέξιν ποσλѣдъи. πρόσθες, "Ище срас- πнѣшиися οὐκτότικε ρѣзбояннкъ, οὐκτότικε благоразуменъ ποζнай бѣга: юще самъ со вѣзваконными вмѣниися, тебѣ рѣди ο твоегѡ рѣди грѣхъ, ты вѣди бнагш рѣди законенъ. πο- клонися тебѣ рѣди πовѣщенномъ, οὐκτότικε стажавай οὐ- что. οὐκτότικε злобы, κѹпъ смѣртю спасенїе: вѣ рѣди со- ιнѣсомъ, да οубѣси, οὐκτότικε εсі: οже тамъ до-